युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण ग्रुप
फरवरी,09 मास के पुरुषार्थ की प्वाइंटस

फरवरी मास का चार्ट:

इस मास में हम बाप समान सम्पन्न और सम्पूर्ण बनने के लिए समय, श्वांस, ज्ञान, गुण, शक्तियों को सफल कर सफलतामूर्त बनने का लक्ष्य रखेंगे।

बापदादा के महावाक्य है (31/12/09): "हर दिन अपने आपको चेक करना है कि सफलतामूर्त बन समय, श्वांस, खजाने, शक्तियां, गुण सब सफल किया? क्योंकि अभी की सफलता से भविष्य भी ज़मा होता है। 21 जन्म, जो भी सफल अभी किया, उसका फल जमा होता है।"

विधि :

इस मास में चार खज़ाने सफल करेंगे और निम्नलिखित चार बातों में क्रोध मुक्त बनेंगे:

सप्ताह	खज़ाना	दिव्य दर्पण के लिए विशेष चेकिंग	क्रोध मुक्त
प्रथम	ज्ञान	ज्ञान की समझ के आधार पर हर कार्य किया?	व्यवहार
दूसरा	गुण	अपनी चलन और चेहरे द्वारा गुणों का दान किया?	चेहरे
तीसरा	परिवर्तन शक्ति	निगेटिव को पॉजिटिव में परिवर्तन किया?	बोल
चौथा	समय	हर सेकण्ड समर्थ रूप से सफल किया?	आंखे

❖ फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखे:

1.गुड मोर्निंग - 3.30 2.अमृतवेला - 3.30 से 4.45, बाबा के कमरे में 3.व्यायाम/पैदल - हाँ जी

4.ट्रैफिक कन्ट्रोल- 5 5.मुरली क्लास - क्लास में सुनी 6.अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी

7.स्वमान की स्मृति -बहुत अच्छी 8. ज्ञान खज़ाना सफल किया - 80% 9.क्रोध मुक्त व्यवहार – 75%

10. नुमा शाम का योग- हाँ जी 11.गुड नाइट- 10.30

❖ परिवर्तन शक्ति: इस वर्ष बापदादा विशेष एक शक्ति का वरदान भी दे रहे हैं। मेरा बाबा दिल से कहेंगे तो शक्ति हाजिर, वह कौन सी शक्ति? परिवर्तन की शक्ति। परिवर्तन शक्ति में विशेष निगेटिव को पॉजिटिव में चेंज करो। पॉजिटिव देखना, बोलना, करना सिर्फ शुभ भावना और शुभ कामना द्वारा सहज हो जायेगा क्योंकि यह आपोजीशन आयेगी लेकिन आपके परिवर्तन की शक्ति आपको सहज सफलता दिलायेगी। तो इस मास में चार्ट के साथ परिवर्तन शक्ति पर कोई लेख वा कुछ रचनात्मक कार्य करके भेजे और अपना विशेष अनुभव भी लिखें।

❖ क्रोध मुक्त: खुशनसीब हो, खुश चेहरे वाले हो, कभी रोब का चेहरा नहीं बनाना। सदा खुश, कोई भी आपको चाहे जितना भी काम में बिजी हो, गलती को ठीक कर रहे हो, समझा रहे हो लेकिन रोब का चेहरा, बोल नहीं हो। इस वर्ष में यह परिवर्तन कर दिखाओ। प्राइज़ देंगे। इसलिए इस वर्ष में क्रोध या बाल-बच्चा इसको विदाई देनी है।

❖ दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है:

स्वमान:

ज्ञान:	16. मैं आत्मा शान्ति की शक्ति से सम्पन्न हूं।
1. मैं आत्मा ज्ञान स्वरूप हूं।	17. मैं आत्मा अष्ट शक्तिधारी हूं।
2. मैं आत्मा मास्टरज्ञानसूर्य हूं।	18. मैं आत्मा शक्तिपुंज हूं।
3. मै आत्मा ज्ञानमूर्त हूं।	19. मैं आत्मा मायाजीत जगतजीत हूं।
4. मैं आत्मा मास्टर ज्ञान सागर हूं।	20. मुझ आत्मा का साथी स्वयं सर्व शक्तिवान है।
5. मैं आत्मा ज्ञान की भरपूर गंगा हूं।	21. मैं आत्मा शिवशक्ति हूं।
6. मैं आत्मा ज्ञान सागर की सन्तान हूं।	समय:
7. मैं आत्मा ज्ञान की देवी/देव हूं।	22. मैं आत्मा हीरो पार्टधारी हूं।
गुण:	23. मैं आत्मा पुरूषोत्तम हूं।
8. मैं आत्मा गुण स्वरूप हूं।	24. मैं आत्मा सर्व श्रेष्ठ हूं।
9. मैं आत्मा गुणमूर्त हूं ।	25. मैं आत्मा मास्टर रचयिता हूं।
10. मैं आत्मा गुणदानी हूं।	26. मैं आत्मा काल पर जीत प्राप्त करनेवाली हूं।
11. मैं आत्मा सर्व गुण सम्पन्न हूं।	27. मैं आत्मा समय को सफल करने वाली सफलतामूर्त हूं।
12. मैं आत्मा हिम्मतवान हूं।	28. मैं आत्मा तीव्र पुरूषार्थी हूं।
13. मैं आत्मा धैर्यवान हूं।	
14. मैं आत्मा निर्भय हूं।	
शक्ति:	
15. मैं आत्मा मास्टर सर्व शक्तिवान हूं।	

Phone No: (079) 26444415, 26460944 Email: bkyouthwing@gmail.com Website: www.bkyouth.org
To Get sms Daily for Swaman Please type “JOIN Divyadarpan” and sms to 567678.